Vol 6 Issue 3 Dec 2016

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad.

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

Review Of Research

ISSN: 2249-894X Impact Factor : 3.8014(UIF) Volume - 6 | Issue - 3 | December - 2016

साक्षरता का स्थानिक वितरण प्रतिरूपः– उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद सहारनपुर का एक प्रतीक अध्ययन

नरेन्द्र कुमार[1], डॉ. विजय बहुगुणा[2]
[1]पी.एच.डी. षोध छात्र, भूगोल विभाग, डी.बी.एस. (पी.जी.) कालेज देहरादून (उत्तराखण्ड)
[2]असिस्टेन्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, डी.बी.एस. (पी.जी.) कालेज देहरादून (उत्तराखण्ड)

सारांशः–
''साक्षरता क्षेत्र विशेश के समुन्नित का कारक बनकर उभरी है, साक्षरता से ही जनसंख्या की ससांधनता का पता चलता है। भौगोलिक एवं सामाजिक–आर्थिक दृष्टिकोण से साक्षरता विकास का बहुआयामी सूचक भी है। अध्ययन क्षेत्र जनपद सहारनपुर (उ.प्र.) में साक्षरता के स्थानिक प्रतिरूप के अध्ययन से ज्ञात होता है कि यहॉ पर पुरूश एवं स्त्री साक्षरता मे बहुत असमानता है। वर्श 2001 में अध्ययन क्षेत्र में पुरूश साक्षरता दर 70.91 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता दर 50 प्रतिशत है। साक्षरता का स्थानिक वितरण भी बहुत असमान है। अध्ययन क्षेत्र मे स्त्री साक्षरता दर कम है। महिला सुरक्षा को घ्यान में रखा जाये तो यहॉ पर महिला साक्षरता दर अप्रत्याशित रूप से बढेगी। इसके साथ ही साथ शिक्षा को रोजगारपरक बनाना भी अनिवार्य कार्यक्रम में सम्मिलित करना होगा।''

प्रस्तावना –

शिक्षा मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण लक्ष्य होने के साथ–साथ वांछनीय लक्ष्यों की पूर्ति का एक उपयोगी साधन भी है। यह व्यक्ति के व्यक्तित्व व बुद्धि का विकास कर उसे आर्थिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक कार्यो को संपन्न करने के योग्य बनाती है।

शिक्षा को एक ऐसे उपकरण के रूप में भी मान्यता दी गयी है, जिसकी सहायता से समाज में परिवर्तन व विकास के अभिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षा ने समाज में परिवर्तन लाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तथा समाज में वछित वर्ग की पंरपरागत स्थिति में परिवर्तन लाने में तो इसका विशेष योगदान रहा है। भारतीय सविंधान शिल्पकार बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर शिक्षा के द्वारा ही समाज में अपना वर्चस्व स्थापित कर पाये थे।

साक्षरता का अर्थ है साक्षर होना अर्थात पढने और लिखने की क्षमता से संपन्न होना। अलग– अलग देशों में साक्षरता के अलग–2 मानक है। भारतीय जनगणना वर्ष 2001 के अनुसार सात वर्ष या उससे अधिक उम्र का कोई व्यक्ति जो किसी भी भाषा में पढ़–लिख सकता है, वह साक्षर नही है। ब्लकि साक्षर वह है कि जो औपचारिक रूप से शिक्षा प्राप्त की हो या कोई परीक्षा उर्तीण किया हो। जबकि सयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कमीशन 1974 ने साक्षरता को इस प्रकार से परिभाषित किया है कि '' किसी भी भाषा में साधारण संदेश को समझने के साथ पढ़ने व लिखने की योग्यता को साक्षरता माना है। साक्षरता किसी भी देश के लियें एक महत्वपूर्ण बिन्दू है। क्योकि साक्षरता किसी क्षेत्र के सामाजिक– आर्थिक विकास के लिए एक आधारभूत आवश्यकता है। इसीलिये साक्षरता को सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति का एक विश्वसनीय सूचक माना जाता है। साक्षरता का गरीबी उन्मूलन, मानसिक एकाकीपन का समाप्तिकरण, शांतिपूर्ण व भाई बंधु वाले अन्तर सम्बन्धों के निर्माण और जनसांख्यिकीय प्रक्रिया की स्वतन्त्र क्रियाशीलता में महत्व है। निरक्षरता के कारण मनुष्य का मनोबल गिरता है, अज्ञानता बढती है, रूढीवादीता बढती है, गरीबी एवं मानसिक एकाकीपन आता है। सामाजिक एवं आर्थिक विकास में अवरोध आता है। साक्षरता का अन्य जंनाकिकीय लक्ष्णों जैसे– जन्म दर, मृत्युदर, व्यवयाय, प्रवास आदि पर भी प्रभाव पड़ता है। इसीलियें साक्षरता प्रतिरूप समाज के सामाजिक– आर्थिक विकास की गति का सूचक है। इसका परिकलन निम्नाकिंत सूत्र के द्वारा किया जाता है।

साक्षारता दर प्रतिशतत्र शिक्षित जनसंख्या/कुल जनसंख्या

अर्थात हर सौ लोगो में से कितने लोग साक्षर है।

सामाजिक, आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी)–2011 के मुताबिक भारत में 88.4 करोड से भी ज्यादा की ग्रामीण आबादी मे से 36 प्रतिशत निरक्षर है यानी 31.57 करोड लोग निरक्षर है। दुनिया के किसी भी देश में निरक्षरो की यह सबसे बड़ी संख्या है। यह निरक्षर ग्रामीण भारत इंडोनेशिया की पूरी आबादी से भी ज्यादा है, जो दुनिया का चौथा सबसे बडी आबादी वाला देश है। पाकिस्तान की पूरी जनसंख्या की तुलना में निरक्षर भारत ग्रामीण भारत दुगना बडा है।

अध्ययन क्षेत्रः– जनपद सहारनपुर उत्तर प्रदेश राज्य के 75 जनपदो मे से एक प्रमुख कृषि प्रधान क्षेत्र है। जो उत्तरी क्षेत्र में बहने वाली नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी के निक्षेपों से बना है। जनपद सहारनपुर काष्ठ कला के लिए विश्व प्रसिद्ध है। उत्तर भारत में केन्द्रीय स्थिति और गंगा–यमुना के मध्य स्थित

Volume - 6 | Issue - 3 | December - 2016

होने के कारण जनपद सहारनपुर भौगोलिक, सास्कृंतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सदैव महत्वपूर्ण रहा है। जनपद सहारनपुर का आक्षांशीय विस्तार 29045′ उत्तर से 30025′ उत्तर एवं देशान्तरीय विस्तार 77015′ पूर्व से 7806′ पूर्व देशान्तर के मध्य स्थित है। जनपद का कुल क्षेत्रफल 3689.0 वर्ग किमी0 है जनपद की समुद्र तल से ऊंचाई 280 मीटर है। अध्ययन क्षेत्र में 5 तहसीले, 11 विकासखण्ड, 113 न्याय पचांयत एवं 1572 गांव सम्मिलित है।

जनपद सहारनपुर का जनसंख्या की दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश राज्य में 24 वॉ स्थान है, जनपद में उ0प्र0 राज्य की कुल जनसख्या का 1.73 प्रतिशत भाग निवास करता है। साक्षरता दर के दृष्टिकोण से जनपद सहारनपुर का राज्य में 29 वॉ स्थान प्राप्त है। जनपद की जनगणना वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या 34,66,382 है। जिनमें से पुरूषों की संख्या 18,34,106 है। जबकि महिलाओ की संख्या 16,32,276 है जनपद की दश्कीय वृद्धि दर 19.66 प्रतिशत है। जनपद की 69.23 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण एवं 30.77 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय है। अध्ययन क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व 940 व्यक्ति/प्रति वर्ग किमी0, लिगांनुपात 890/1000 तथा साक्षरता दर 70.49 प्रतिशत है। जिनमे से 78.28 प्रतिशत पुरूष तथा 61.74 प्रतिशत स्त्रियॉ साक्षर है। देश—प्रदेश की भॉति ही इस जनपद में पुरूष साक्षरता तथा महिला साक्षरता में अन्तर है। यहॉ की अधिंकाश जनसंख्या अपनी जीविकोपार्जन के लिए कृषि पर निर्भर करती है।

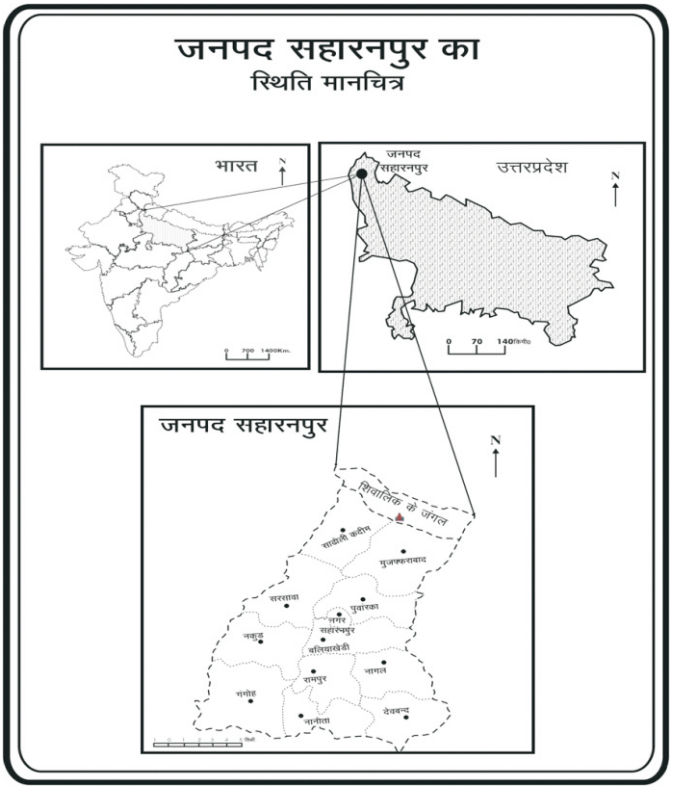

अध्ययन का उददेश्यः— हमारे वर्तमान शोध प्रपत्र का मुख्य उद्देश्य उ.प्र. राज्य के जनपद सहारनपुर के स्थानिक साक्षरता का वितरण प्रतिरूप को प्रकाश में लाना है। ताकि इस अध्ययन के आधार पर शोध क्षेत्र को बेहतर शिक्षा सुविधा प्रदान की जा सके।

आकँडो का एकत्रीकरण एवं विधितन्त्रः— प्रस्तुत शोध प्रपत्र साक्षरता का स्थानिक वितरण प्रतिरूप उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद सहारनपुर का एक प्रतीक अध्ययन में पूर्णतः द्वितीयक प्रकार के ऑकडो का प्रयोग किया गया है। द्वितीयक ऑकड़ो का सकंलन विभिन्न प्रकाशित पुस्तको, पत्र—पत्रिकाओं एवं जिला साख्यिकीय पत्रिकाओं, भारत की जनगणना पुस्तिकाओं आदि से प्राप्त किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता विषमता के अन्तर्गत कुल साक्षरता, पुरूष एवं स्त्री साक्षरता, ग्रामीण एवं नगरीय साक्षरता तथा वन ग्राम साक्षरता का भी अध्ययन किया गया है। अध्ययन को रूचिकर एवं वैज्ञानिक बनाने हेतु तालिकाऍ, डायग्राम तथा सांख्यिकीय विधियो का प्रयोग किया गया है। साक्षरता के विभिन्नता स्तर को ज्ञात करने के लिए अति उच्च, उच्च, मध्यम तथा निम्न स्तरीय चार क्षेणियों में विभक्त कर अध्ययन किया गया है। जो अध्ययन क्षेत्र के सम्बन्ध मे है।

जनपद में साक्षरता की प्रवृत्तिः— अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता की दर असमान रही है। कभी तीव्र गति से बढी है तो कभी मन्द गति से बढी है। जनपद सहारनपुर में 1971 में साक्षरता दर 23.41 प्रतिशत रही तथा 2011 में आकर 70.49 प्रतिशत है। तालिका संख्या—1 से स्पष्ट है कि 1951 से 2011 तक किसी भी जनगणना वर्ष मे जनपद सहारनपुर की साक्षरता दर (वर्ष 1981) को छोडकर राज्य साक्षरता दर की तुलना में लगभग ज्यादा रही है। जब जनपद सहारनपुर का हिस्सा जनपद हरिद्वार (जो अब उत्तराखण्ड राज्य में सम्मिलित है) था, तब यहॉ साक्षरता राज्य की तुलना में काफी कम रही। परन्तु जनपद सहारनपुर से जनपद हरिद्वार अलग होने के बाद यहॉ की साक्षरता दर की प्रवृत्ति बढी है। जनगणना वर्ष 2001—2011 में अध्ययन क्षेत्र की साक्षरता दर काफी उच्च रही, जो कि राज्य की साक्षरता दर से क्रमशः 3.86 प्रतिशत एवं 2.81

Volume - 6 | Issue - 3 | December - 2016

प्रतिशत ज्यादा रही है।

तालिका संख्या –1
जनपद सहारनपुर में साक्षरता दर (प्रतिशत में) 1951–2011

वर्ष	भारत	उत्तर प्रदेष	सहारनपुर
1951	18.33	12.02	—
1961	28.30	20.87	—
1971	34.45	23.99	23.40
1981	43.57	32.65	27.24
1991	52.21	40.17	42.11
2001	65.38	57.36	61.22
2011	73.03	67.68	70.49

Fig. 1

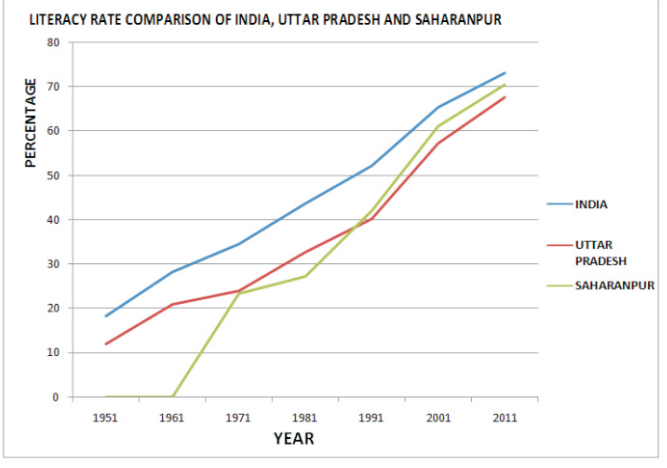

स्त्री– पुरूष साक्षरता में अनुपातः– अध्ययन क्षेत्र मे साक्षरता की दर मे लगातार वृद्धि तो हुई है। परन्तु इसके साथ ही साथ यहॉ स्त्री– पुरूष साक्षरता का अनुपात बढता ही चला गया है। यह अन्तर सबसे अधिक जनगणना वर्ष 1991 में रहा है। वर्ष 1971 में पुरूष साक्षरता 31.5 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 13.5 प्रतिशत एवं साक्षरता अन्तर 18 प्रतिशत का था। तथा वर्ष 1991 में पुरूष साक्षरता 53.85 प्रतिशत एवं स्त्री साक्षरता 28.10 प्रतिशत तथा साक्षरता अन्तर 25.75 प्रतिशत का था। जिसके मुख्य कारण जनपद मे गरीबी,रूढिवादिता,ग्रामीण जनसंख्या की अधिकता, शिक्षण सस्थाओं का अभाव, ग्रामीणो का नगरीय क्षेत्र से सम्पर्क का अभाव आदि मूलभूत कारक इस समस्या के कारण थे। इसके बाद जनगणना वर्ष 2011 में पुरूष साक्षरता 78.28 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 61.74 प्रतिशत हो गई। जो साक्षरता अन्तर जनगणना वर्ष 2001 में 20.91 प्रतिशत था, घटकर 16.54 प्रतिशत हो गया। तालिका सख्या–2 से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र मे पुरूष–स्त्री साक्षरता का अन्तर 2001 की तुलना में 4.37 प्रतिशत जनगणना वर्ष 2011 मे कम हुआ है। अगर सुधार इसी क्रम से लगातार चलता रहा तो निकट भविष्य में लगभग 2031 तक इस जनपद में पुरूष एवं महिला साक्षरता अनुपात में अन्तर अति न्यून हो जायेगा। जिससे स्त्री को पुरूष जितना योग्य समझा जायेगा और स्त्री–पुरूष योग्यता मे समानता आयेगी।

तालिका संख्या –2
जनपद सहारनपुर में स्त्री– पुरूष साक्षरता अनुपात व अन्तर

वर्ष	पुरूष	स्त्री	साक्षरता अन्तर
1971	31.5	13.5	18
1981	16.4	16.4	00
1991	53.85	28.10	25.75
2001	70.91	50.00	20.91
2011	78.28	61.74	16.54

स्रोत :– जिला जनगणना हस्तपुस्तिका 1991, 2001 और 2011

Volume - 6 | Issue - 3 | December - 2016

Fig. 2

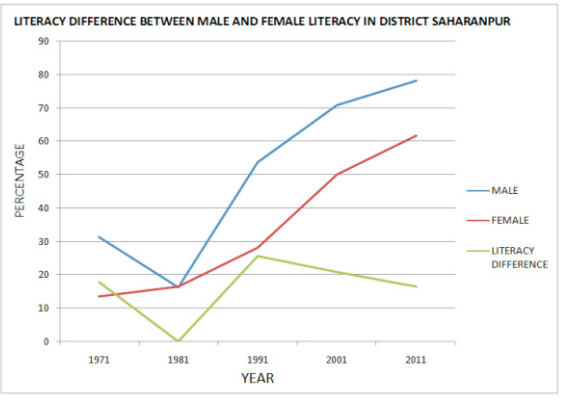

जनपद में साक्षरता का क्षेत्रीय प्रतिरूपः– जनपद में साक्षरता के क्षेत्रिय प्रतिरूप के अध्ययन से स्पष्ट है कि प्रस्तुत शोध क्षेत्र में तहसील, विकासखण्ड, एवं ग्राम स्तर पर साक्षरता में विभिन्नता विद्यमान है। यह विभिन्नता न केवल कुल साक्षरता में अपितु स्त्री एंव पुरूष साक्षरता में भी देखा जा सकता है। तालिका सख्या–3 से स्पष्ट है कि रामपुर मनिहारन विकासखण्ड 65.99 प्रतिशत साक्षरता के साथ जनपद में प्रथम स्थान पर है, जबकि सढौली कदीम विकासखण्ड 46.37 प्रतिशत साक्षरता के साथ सबसे कम साक्षरता वाला विकासखण्ड है। यह क्षेत्रिय विभिन्नता सिर्फ कुल साक्षरता दर मे ही नही बल्कि विभिन्न विकासखण्ड में स्त्री–पुरूष साक्षरता अनुपात में भी विद्यमान है। सढौली कदीम विकासखण्ड जहॉ सबसे कम पुरूष साक्षरता (56.43प्रतिशत) वाला है, वही सबसे कम महिला साक्षरता (34.47 प्रतिशत) वाले विकास खण्ड के रूप मे भी जाना जाता है। जनपद मे सबसे ज्यादा साक्षरता वाली तहसील क्रमशः सहारनपुर एवं रामपुर मनिहारन है जिनकी साक्षरता दर 73 प्रतिशत है सबसे कम साक्षरता दर 65 प्रतिशत बेहट तहसील में है जिसका मुख्य कारण इस तहसील का पिछडापन है।

साक्षरता के आधार पर जनपद सहारनपुर को निम्नलिखित श्रेणियो में विभाजित कर अध्ययन किया गया है।

- अति उच्च
- उच्च
- मध्यम तथा
- निम्न स्तर

तालिका संख्या –3
जनपद सहारनपुर में विकासखण्डवार साक्षरता प्रतिरूप 2001 (प्रतिशत में)

क. स.	विकासखण्ड	कुल साक्षरता	पुरूश साक्षरता	स्त्री साक्षरता
1	सढ़ौली कदीम	46.37	56.43	34.47
2	मुजफ्फराबाद	55.41	67.55	41.46
3	पुवांरका	58.11	69.57	44.98
4	बलियाखेड़ी	60.27	72.38	46.26
5	सरसावा	53.99	63.96	42.59
6	नकुड	60.72	72.30	47.31
7	गगोंह	55.21	66.30	42.18
8	रामपुर मनिहारन	65.99	78.12	51.85
9	नागल	64.88	76.01	51.73
10	ननौता	65.71	77.29	52.36
11	देवबन्द	63.10	73.61	50.82
	वन ग्राम	17.12	21.83	11.62
	जनपद ग्रामीण	58.72	69.96	45.66
	जनपद नगरीय	67.33	73.36	60.39
	सम्पूर्ण जनपद	61.22	70.91	50.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका –2001

अति उच्च साक्षरताः– अति उच्च साक्षरता की दृष्टि से जनपद में रामपुर मनिहारन विकासखण्ड का स्थान प्रथम है । जहॉ पर 65.99 प्रतिशत साक्षरता पायी जाती है। यदि जनपदीय साक्षरता की दृष्टिकोण से देखा जाये तो यह भू–भाग सर्वाधिक साक्षरता वाला है। परन्तु यहॉ पर पुरूष– स्त्री साक्षरता का अन्तर 26.27 प्रतिशत सबसे अधिक बना हुआ है। नानौता विकासखण्ड की साक्षरता दर 65.71 प्रतिशत के साथ जनपद मे साक्षरता दर की दृष्टिकोण से दूसरे पायदान पर है।

तालिका संख्या –4
जनपद सहारनपुर में विकासखण्डवार साक्षरता श्रेणी विभाजन–2001

साक्षरता श्रेणी	साक्षरता दर	साक्षरता के अनुसार विकासखण्ड
अति उच्च	65 से अधिक	रामपुर मनिहारन, ननौता
उच्च	65 – 60	बलियाखेड़ी, नकुड, नागल, देवबन्द
मध्यम	60 – 50	मुजफ्फराबाद, पुवांरका, सरसावा, गगोंह
निम्न	50 से कम	सढौली कदीम

उच्च साक्षरताः– इसके अन्तर्गत नागल, देवबन्द, नकुड एवं बलियाखेड़ी विकासखण्ड आते है। जहॉ की साक्षरता दर क्रमशः 64.88, 63.10, 60.72 एवं 60.27 प्रतिशत है। नागल विकासखण्ड में साक्षरता दर 64.88 प्रतिशत है इस विकास खण्ड में पुरूष साक्षरता दर 76.01 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 51.73 प्रतिशत है। यहॉ स्त्री–पुरूष साक्षरता दर में 24.28 प्रतिशत का अन्तर पाया गया है। देवबन्द विकास खण्ड में साक्षरता दर 63.10 प्रतिशत है, पुरूष साक्षरता दर में 22.79 प्रतिशत का अन्तर पाया जाता है। उच्च साक्षरता दर वाली श्रेणी में स्त्री–पुरूष साक्षरता दर मे अन्तर सबसे अधिक बलियाखेडी विकासखण्ड में पाया जाता है। जो कि 26.12 प्रतिशत है।

मध्यम साक्षरताः– मध्यम साक्षरता के अन्तर्गत पुवांरका, मुजफ्फराबाद, गंगोह एवं सरसावा विकासखण्ड आते है। यहॉ साक्षरता दर क्रमशः 58.11 प्रतिशत, 55.41 प्रतिशत, 55.21 प्रतिशत एवं 53.99 प्रतिशत तथा पुरूष साक्षरता 69.57 प्रतिशत, 67.55 प्रतिशत, 66.30 प्रतिशत एवं 63.96 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 44.98 प्रतिशत, 41.46 प्रतिशत,42.18 प्रतिशत एवं 42.59 प्रतिशत के मध्य है। यहॉ स्त्री–पुरूष साक्षरता दर मे अधिक का अन्तर नही पाया जाता है।

निम्न साक्षरताः– निम्न साक्षरता के अन्तर्गत सढ़ौली कदीम विकासखण्ड का नाम आता है। यहॉ कुल साक्षरता दर 46.37 प्रतिशत है, पुरूष साक्षरता 56.43 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 34.47 प्रतिशत है। जिससे स्पष्ट है कि यह विकास खण्ड आज भी सम्पूर्ण जनपद के विकासखण्डों की तुलना में साक्षरता की दृष्टि कोण से अन्यन्त पिछडा हुआ विकासखण्ड है।
अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत कुछ भाग वन ग्राम के अन्तर्गत आते है। जो विभिन्न विकासखण्डो में पाये जाते है। वन ग्राम का अध्ययन करने से यह ज्ञात हुआ है कि यहॉ कि साक्षरता दर सबसे कम है, अर्थात 17.12 प्रतिशत है। जिसमे पुरूष साक्षरता दर 21.83 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता दर 11.62 प्रतिशत है। जहॉ पर स्त्री पुरूष साक्षरता का अन्तर 10.21 प्रतिशत है।

उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता की दृष्टि कोण से कॉफी विविधता पायी जाती है। यह विविधता कुल साक्षरता के साथ–2 स्त्री पुरूष साक्षरता मे भी देखी गयी है। यह जनपद महिला साक्षरता की दृष्टि कोण से काफी पिछडा हुआ जनपद है। यहॉ पर स्त्री पुरूष साक्षरता अनुपात अन्तर अधिक पाया गया है।

साक्षरता दर निम्न होने के कारणः–देश, प्रदेश एंव जनपद स्तर पर साक्षरता निम्न होने के कारण इस प्रकार से–

- पिछडी सोच / रूढ़िवादिता
- भौगोलिक प्रभाव
- जागरूकता की कमी
- जनसंख्या विस्फोट
- जातिवाद / सामाजिक बुराइयॉ
- तकनीकि का अभाव
- अकुशल प्रशिक्षक
- उच्च ड्रापआउट दर
- लैगिंक भेदभाव

निष्कर्षः– अध्ययन क्षेत्र स्थानिक साक्षरता का वितरण प्रतिरूप उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद सहारनपुर का एक प्रतीक अध्ययन से स्पष्ट है कि साक्षरता स्वरूप मे काफी अन्तर विद्यमान है। यह अन्तर न कुल साक्षरता में है बल्कि पुरूषों एवं स्त्रियों, नगरीय एवं ग्रामीण साक्षरता में तथा ग्रामीण पुरूष एवं स्त्री साक्षरता का विश्लेषण किया गया तो पता चला कि सम्पूर्ण जनपद मे ग्रामीण साक्षरता दर 58.72 प्रतिशत जिसमे पुरूष साक्षरता 69.96 प्रतिशत एवं स्त्री साक्षरता 45.66 प्रतिशत है। यहॉ स्त्री पुरूष साक्षरता का अन्तर 24.3 प्रतिशत पाया गया है।

वही नगरीय क्षेत्र की कुल साक्षरता दर 67.33 प्रतिशत है जिसके अन्तर्गत पुरूष साक्षरता 73.36 प्रतिशत है तथा स्त्री साक्षरता 60.39 प्रतिशत है। यहॉ पर स्त्री–पुरूष साक्षरता अन्तर निम्न है, जो 12.97 प्रतिशत है। अध्ययन क्षेत्र मे भी स्त्री–पुरूष साक्षरता दर में अन्तर बना हुआ है।

अध्ययन क्षेत्र ग्रामीण जनसंख्या बाहुल्य क्षेत्र (69.23 प्रतिशत) के साथ ही साथ पुरूष प्रधान वाला क्षेत्र है । यहॉ पर स्त्री–पुरूष साक्षरता के अन्तर से यह स्पष्ट होता है कि अब इस पर काम करने की आवश्यकता है। स्त्री–पुरूषो की साक्षरता के अन्तर को मिटाया जाना चाहिए ताकि दोनो एक मंच पर साथ आ सके। इस अन्तर को दूर केवल सही एवं उचित ढंग से शिक्षित समाज ही कर सकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न शैक्षिणिक कार्यक्रमो जैसे–साक्षरता मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, आपरेशन ब्लैकबोर्ड, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम, महिला समाख्या, मिडे मील योजना तथा उ0प्र0 बेसिक शिक्षा कार्यक्रम आदि के माध्यम से स्त्री शिक्षा में मात्रात्मक एवं गुणात्मक विकास हुआ है।

इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र मे साक्षरता विषमता को दूर कम करने के लिए सरकार का शिक्षा प्रति लगाव, शिक्षको से शैक्षणिक कार्यो के अलावा प्रशासनिक कार्यभार कम करके, शिक्षा का प्रचार–प्रसार करके, अनिवार्य शिक्षा, विद्यालयी अवसरंचना, शिक्षा सम्बन्धी सुविधओं जैसे (पानी,बिजली, परिवहन,सचांर, स्वास्थय, मनोरंजन, पिछडे क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड दिया जाये तो इससे न केवल साक्षरता विषमता दूर होगी बल्कि यह जनपद शत–प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त कर पायेगा।

सन्दर्भ सूचीः–

(1) चंदना, आर.सी. (2007), जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स नई दिल्ली
(2) पंत, जे0 सी0 (2006), जंनाकिकी, विशाल पब्लिशर्स कम्पनी, जलधंर (पंजाब) पृ. सं. 271,385
(3) सिंह, वी0पी0 (1990), साक्षरता विकास का आधार, योगक्षेम– खण्ड–34
(4) शालू, डा0 एवं कुमार, नरेन्द्र (अप्रैल 2014), दलित महिलाओं का शिक्षा द्वारा बदलता सामाजिक परिदृश्य (मेरठ शहर औंरगशाहपुर डिग्गी के विशेष सन्दर्भ में) ,Journal of Socio- Economic Review,Vol-I No.2(P.107-108)ISSN-2321 8479
(5) जोशी, प्रमोद (2016), गॉवों मे शिक्षा हेतु बुनियादी सुविधओ का अवलोकन, कुरूक्षेत्र, दिसंबर, पृ.स. 36
(6) वर्मा, श्रीराम एंव वशिष्ठ, आत्माराम, आर्दश एटलस, जिला सहारनपुर नव भारत प्रकाशन मंदिर, सहारनपुर पृ.स.–1 से 8
(7) पाठक, आशुतोष कुमार (दिसम्बर 2014), साक्षरता का स्थानिक प्रतिरूपः जनपद क्षावस्ती का एक प्रतीक अध्ययन, JIDR] Vol.4,No.-2,P.91
(8) U.P.Gazetteers:Saharanpur District,1981,P-76
(9) websites
(1) http:Ilupdes.up.nic.in
(2) www.census2011.co.in

नरेन्द्र कुमार
पी.एच.डी. शोध छात्र, भूगोल विभाग, डी.बी.एस. (पी.जी.) कालेज देहरादून (उत्तराखण्ड)

डॉ. विजय बहुगुणा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, डी.बी.एस. (पी.जी.) कालेज देहरादून (उत्तराखण्ड)

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org